প্রিয় সহকর্মীবৃন্দ,

দেশের ৬৯ তম স্বাধীনতা দিবসের পূণ্যলগ্নে প্রথমেই আমি সেই সব স্বাধীনতা সংগ্রামীদের শ্রদ্ধা জানাতে চাই, যাঁরা দেশের স্বাধীনতার লড়াইয়ে জীবন উৎসর্গ করেছেন। একই সঙ্গে আজকের এই শুভদিনে ইসিএল পরিবারের প্রত্যেক শ্রমিক-কর্মচারী, আধিকারিক এবং তাঁদের পরিবারের সকল সদস্যের সুখ-শান্তি এবং উজ্জ্বল ভবিষ্যৎ কামনা করি।

আপনারা নিশ্চয়ই জানেন যে, ২০১৪-১৫ আর্থিক বছর ইসিএলের ইতিহাসে সাফল্যের এক অভূতপূর্ব বছর ছিল। ঐ বছর ৩৮.০০ মিলিয়ন টন কয়লা উৎপাদনের নির্ধারিত লক্ষ্য অতিক্রম করে ইসিএল ৪০.০০ মিলিয়ন টনের থেকেও বেশী উৎপাদন করে ইতিহাস গড়েছে। একই সঙ্গে ওভার বার্ডেন অপসারণ ও কয়লা সরবরাহের ক্ষেত্রেও লক্ষ্যমাত্রা অতিক্রম করেছে। আপনাদের আনন্দের সঙ্গে জানাই যে, কোল ইণ্ডিয়ার মধ্যে ইসিএল হল এমন একমাত্র অনুসঙ্গী সংস্থা যে ২০১৪-১৫ আর্থিক বছরে বিভিন্ন ক্ষেত্রে কেবলমাত্র লক্ষ্যমাত্রাই অতিক্রম করেনি, এছাড়াও বিগত আর্থিক বছরের তুলনায় প্রতিটি ক্ষেত্রেই ইতিবাচক বৃদ্ধিও অর্জন করেছে। এ প্রসঙ্গে একটি গুরুত্বপূর্ণ ও উল্লেখযোগ্য তথ্য হল, কোল ইণ্ডিয়ার মধ্যে ইসিএল হল একমাত্র অনুসঙ্গী কোম্পানী যারা ২০১৪-১৫ বছরে ভূগর্ভস্থ খনি থেকে উৎপাদনের লক্ষ্য পূরণের সাথে সাথে ইতিবাচক বৃদ্ধিও ঘটিয়েছে। সকলেই আজ মুক্ত কণ্ঠে ইসিএলের এই সাফল্যের প্রশংসা করেছেন। এর ফলে আগামী দিনের জন্য আমাদের কাছ থেকে সকলের প্রত্যাশাও অনেক বেড়ে গেছে।

স্বাধীনতা দিবসের এই শুভদিনে আপনাদের এটা জানাতে পেরে খুব আনন্দিত হচ্ছি যে, ধারাবাহিক সাফল্যের কারণে কোম্পানীর আর্থিক অবস্থা যথেষ্ট উন্নত হয়েছে এবং নেতিবাচক অবস্থা ইতিবাচক অবস্থায় পরিবর্ত্তিত হয়েছে। এর ফলে কোম্পানী রিভাইবাল প্ল্যানের নির্ধারিত দু বছর আগেই বি আই এফ আর - এর নাগপাশ থেকে বেরিয়ে আসতে পেরেছে। আলাদা করে নিশ্চয় বলার অপেক্ষা রাখে না যে বি আই এফ আর থেকে বেরিয়ে আসা কোম্পানীর প্রত্যেক সদস্যের কাছে কি বার্তা বহন করে এনেছে। আসলে প্রতিটি কর্মী ও আধিকারিকের কোম্পানীর প্রতি নিষ্ঠা এবং সক্রিয় অংশগ্রহণ ছাড়া এটা সম্ভব হতো না। আপনাদের সকলের এই কর্মনিষ্ঠা এবং সম্মিলিত প্রচেষ্টাকে অভিনন্দন জানাই। আপনাদের জানাতে চাই, প্রগতির দিকে আরো এক ধাপ এগিয়ে যেতে কোম্পানীর জন্য ''মিনিরত্ন'' সম্মান অর্জনে আমরা প্রয়াসী হয়েছি। এই উদ্দেশ্যে যথাযথ স্থানে আবেদন পাঠানো হয়েছে এবং আশাকরা যায় খুব শীঘ্রই তা অনুমোদিত হবে। অস্বীকার করার কোন উপায় নেই যে, এই উচ্চতায় পৌঁছানো খুবই কঠিন কাজ, এই সম্মান ধরে রাখাও তেমনিই কঠিন। কিন্তু আমার দৃঢ় বিশ্বাস, আপনাদের সকলের কর্মদক্ষতা এবং নিষ্ঠার ফলে আগামী দিনেও আমরা এই সম্মান ধরে রাখব এবং কোম্পানী উত্তরোত্তর আরও প্রগতির দিকে এগিয়ে যাবে।

আপনারা জানেন, ভারত সরকারের কয়লা মন্ত্রালয় থেকে কোল ইণ্ডিয়াকে আগামী ২০১৯-২০ পর্যন্ত ১ বিলিয়ন টন কয়লা উৎপাদনের লক্ষ্য দেওয়া হয়েছে, এর মধ্যে ইসিএলকে উৎপাদন করতে হবে ৬২ মিলিয়ন টন। এই কঠিন চ্যালেঞ্জকে সফল করতে গেলে সকলকে কাঁধে কাঁধ মিলিয়ে কাজ করতে হবে। আমাদের প্রকল্প এবং পরিকল্পনা বিভাগ উৎপাদন বাড়ানোর জন্য অনেকগুলি ভূগর্ভস্থ খনি ও খোলামুখ প্রকল্প চিহ্নিত করেছে এবং বিভিন্ন স্তরে দ্রুততার সঙ্গে এই পরিকল্পনা বাস্তবায়িত করার কাজ চলছে। ভূগর্ভস্থ খনিগুলিতে উৎপাদন বাড়ানোর জন্য মাস প্রোডাকশন পদ্ধতি ছাড়াও বিভিন্ন প্রকল্পে আরও কয়েকটি কন্টিনিউয়াস মাইনার স্থাপন করার পরিকল্পনা করা হয়েছে। ঝাঁঝরা প্রকল্পে পাওয়ার সাপোর্ট লঙওয়াল পদ্ধতিতে এই আর্থিক বছরের শেষ পর্যন্ত উৎপাদন শুরু হওয়ার আশা করা হচ্ছে। এর ফলে ভূগর্ভস্থ খনির উৎপাদন বৃদ্ধি পাবে। এছাড়াও কিছু খনিতে হাইওয়াল টেকনিক স্থাপন করারও প্রচেষ্টা করা হচ্ছে। আপনাদের সকলের কঠোর পরিশ্রম, নিষ্ঠা, কর্তব্যপরায়ণতা এবং কোম্পানীর প্রতি ভালবাসা দেখে আমি নিশ্চিত বিগত বছরের মতো চলতি আর্থিক বছর এবং আগামী বর্ষগুলিতেও সব বিভাগের নির্ধারিত লক্ষ্যমাত্রা অতিক্রম করে ইসিএল এক বিশাল উচ্চতায় পৌঁছাবে।

আপনারা সকলেই জানেন যে, উৎপাদন-উৎপাদকতা, কয়লা সরবরাহ, খনি নিরাপত্তা ও গুণমান নিয়ন্ত্রণের পাশাপাশি ইসিএল কল্যাণ, সি এস আর, খেলাধূলা, সাংস্কৃতিক ও বিভিন্ন সামাজিক দায়-দায়িত্ব পালনের ক্ষেত্রেও সদা-সর্বদা সচেষ্ট থাকে। এতে যেমন একদিকে সামাজিক দায়বদ্ধতা পালন করা হয় অন্যদিকে তেমনি কোম্পানীর ভাবমূর্ত্তি উজ্জ্বল হয় এবং এই সব কাজের জন্য কোম্পানী অনেক সময় সম্মানিত হয়। সম্প্রতি দিল্লীতে এক অনুষ্ঠানে জাতীয় খনি নিরাপত্তা পুরস্কার প্রদান করা হয়। সেখানে ইসিএল-এর বিভিন্ন খনি মোট ৭টি পুরস্কার অর্জন করেছে। রাষ্ট্রভাষা হিন্দির ক্ষেত্রে উল্লেখযোগ্য কাজের জন্য ২০১৩-১৪ বছর 'গ' ক্ষেত্রে ইসিএল দ্বিতীয় পুরস্কার পেয়েছে, নবরত্ন / মহারত্ন কোম্পানীর বাইরের কোম্পানী হিসাবে কর্মরত মহিলাদের জন্য প্রশংসনীয় কজের জন্য WIPS এর ইসিএল শাখা প্রথম পুরস্কার লাভ করেছে এবং কোল ইণ্ডিয়া আন্তঃ কোম্পানী ক্রিকেট, এ্যাথলেটিক ও সাংস্কৃতিক প্রতিযোগিতায় ইসিএল প্রথম ও কনট্রাক্ট ব্রিজ ও প্রবীনদের টেবিল টেনিসে দ্বিতীয় পুরস্কার লাভ করেছে।

সি এস আর-এ বিগত আর্থিক বছরে 'স্বচ্ছ বিদ্যালয়' প্রকল্পে ইসিএল পশ্চিবঙ্গের পুরুলিয়া এবং ঝাড়খণ্ডের দেওঘর ও সাহেবগঞ্জ জেলার ১৮৮৬টি বিদ্যালয়ে মোট ৩৩৭২ টি শৌচালয় নির্মাণ করেছে। এতে প্রায় ২ লক্ষ ৫০ হাজার ছাত্র উপকৃত হবে। ইসিএল-এর সন্নিহিত অঞ্চলে বিভিন্ন বিদ্যালয়ে ১৯০৯টি সিলিং ফ্যান দেওয়া হয়েছে। ইসিএল কর্মীদের মেধাবী ছেলে-মেয়েদের জন্য কোন ইণ্ডিয়া ছাত্রবৃত্তি প্রকল্পে মোট ৩৯ লাখ টাকা দেওয়া হয়েছে। কর্মীদের জন্য ইসিএল প্রশাসন প্রত্যেক এরিয়াতে আধুনিক সুবিধাযুক্ত ক্যান্টিন তৈরীর কাজ আরম্ভ করেছে। বর্তমানে প্রত্যেক কর্মচারীকে তাঁর চাকরী থেকে অবসর গ্রহণের দিনই প্রভিডেন্ট ফাণ্ড, গ্র্যাচুয়েটি সহ পিপিও দিয়ে দেওয়া হয়। অবসর প্রাপ্ত কর্মীদের কাছে এটা একটা বিরাট প্রাপ্তি।

ইসিএল-এর এইসব সাফল্যের জন্য কয়লা মন্ত্রালয়, কোল ইণ্ডিয়া লিমিটেড, শ্রমিক সংগঠনের প্রতিনিধিবৃন্দ, পশ্চিমবঙ্গ ও ঝাড়খণ্ড সরকার এবং সরকারের প্রশাসনিক আধিকারিক, পুলিশ প্রশাসন, কোম্পানীর সমস্ত শ্রমিক-কর্মী-আধিকারিকদের সঙ্গে সঙ্গে কোম্পানীর সমস্ত শেয়ার হোল্ডার, উপভোক্তা, সরবরাহকারী এবং শুভাকাঙ্খীদের প্রতি আমার কৃতজ্ঞতা জানাই। আজকের এই শুভদিনে কোম্পানীর প্রত্যেক শ্রমিক-কর্মী-আধিকারিকদের কাছে আমার আবেদন সকলে নিজের নিজের কর্মক্ষেত্রে কর্মকুশলতার পরিচয় দিন এবং খনি নিরাপত্তার কথা মাথায় রেখে উৎপাদন লক্ষ্য পূরণে সহায়তা করুন, যাতে দেশের কয়লার চাহিদা পূরণ করে আমরা জাতীয় কর্ত্তব্যপালন করতে পারি।

শুভকামনা সহ,

আপনাদের

১৫ই আগষ্ট, ২০১৫

(চন্দন কুমার দে)

অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তা

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেডের জনসংযোগ বিভাগ হইতে প্রকাশিত

मेरे प्यारे श्रमिक साथियों,

भारत के 69वें स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर मैं सबसे पहले भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों को हार्दिक नमन करता हूँ। इसके साथ-साथ ईसीएल परिवार के प्रत्येक श्रमिक, कर्मचारी, अधिकारी एवं उनके परिवार के सदस्यों को स्वतन्त्रता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए सबों के लिए सुख-समृद्धि एवं उज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

आप इस तथ्य से अवश्य अवगत हैं कि वित्त-वर्ष 2014-15 ईसीएल के इतिहास में अभूतपूर्व सफलताओं का वर्ष रहा है। पिछले वित्त-वर्ष के दौरान, ईसीएल ने 38.00 मिलियन टन (MT) कोयला उत्पादन के निर्धारित लक्ष्य को पार कर 40.00 मिलियन टन (MT) से भी अधिक कोयला उत्पादन कर नया इतिहास रचा है तथा अधिभार विस्थापन एवं कोयला प्रेषण के क्षेत्र में भी अपने लक्ष्य को पार किया है। मुझे आप सबों को यह बताते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि ईसीएल कोल इंडिया लिमिटेड की एकमात्र अनुषंगी इकाई है जिसने 2014-15 के दौरान इन सभी प्रमुख मापदण्डों में न केवल अपने लक्ष्य को पार किया है बल्कि पिछले वित्त-वर्ष की तुलना में इनमें सकारात्मक वृद्दि भी दर्ज की है। इस संबंध में एक और महत्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय तथ्य यह है कि 2014-15 के दौरान भूमिगत उत्पादन के क्षेत्र में लक्ष्य हासिल करने के साथ-साथ सकारात्मक वृद्धि दर्ज करने वाली ईसीएल कोल इंडिया लिमिटेड की एकमात्र अनुषंगी इकाई रही। ईसीएल द्वारा अर्जित इस अभूतपूर्व सफलता की सराहना सभी ने मुक्त कंठ से की तथा भविष्य के लिए हमसे उम्मीदें भी बढ़ गयी हैं।

स्वतन्त्रता दिवस के इस पावन अवसर पर मुझे आपको यह बताते हुए हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि हमारी कंपनी द्वारा किये जा रहे लगातार बेहतर प्रदर्शन के परिणामस्वरूप इसकी आर्थित स्थिति में काफी सुधार आया है और इसका नकारात्मक नेटवर्थ (Net Worth) परिवर्तित होकर सकारात्मक हो गया। इस प्रकार, हमारी कंपनी बीआईएफ़आर (BIFR) के नागपाश से बाहर निकल गयी जिसकी औपचारिक घोषणा फरवरी, 2015 को की गयी। अलग से कहने की आवश्यकता नहीं है कि यह उपलब्धि ईसीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए क्या मायने रखती है। उल्लेखनीय है कि कंपनी के प्रति आपकी निष्ठा एवं सक्रिय योगदान के बिना इस उपलब्धि तक पहुँचना कतई संभव नहीं होता। अत: आपके इस निष्ठा एवं समर्पण भाव के लिए मैं आप सबों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, आपका अभिनंदन करता हूँ। मैं यहाँ आपको बताना चाहूँगा कि प्रगति की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए हम अपनी कंपनी को मिनिरत्न (Miniratna) का दर्जा दिलाने के लिए प्रयासरत हैं। उल्लेखनीय है कि इस ऊदेश्य हेतु हमारी ओर से आवेदन दिया जा चुका है एवं बहुत जल्द इसकी मंजूरी मिल जाने की आशा है। आज हमें यह बहुत शिद्दत से स्वीकारना होगा कि इस उपलब्धि तक पहुँचना हमारे लिए कठिन ज़रूर था पर इस सम्मान को बनाये रखना हमारे लिए और अधिक चुनौतीपूर्ण है। मुझे पूरी उम्मीद है कि भविष्य में हम अपनी कंपनी के इस सम्मान को बनाये रखने और इसमें उत्तरोत्तर वृद्धि करने के इस मुश्किल कार्य को अपनी लगन और कठिन परिश्रम से सरल बना देंगे।

साथियों,जैसा किआप सभी जानते हैं कि कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड को दिये गये 01 बिलियन टन (Billion Te) कोयला उत्पादन के लक्ष्य (2019-20 तक) में ईसीएल को भी 62 मिलियन टन (MT) कोयला उत्पादन कर अपनी सक्रिय और महत्वपूर्ण हिस्सेदारी निभानी है। इस कठिन चुनौती को स्वीकारने एवं इसे पूरा करने के लिए हमें कंधे-से-कंधा मिलाकर चलना होगा। इस दिशा में कंपनी के योजना एवं परियोजना विभाग द्वारा प्रयास करते हुए ढेर सारे भूमिगत खदान तथा खुली परियोजनाओं को चिह्नित किया गया है जिनके क्रियान्वयन का कार्य विभिन्न स्तरों पर तेजी चल रहा है। भूमिगत उत्पादन में सुधार के लिए मास प्रोडक्शन तकनीक (Mass Production Technology) के तहत कई और कंटीन्यूअस माइनर (Continuous Miner) विभिन्न परियोजनाओं में स्थापित करने की योजना बनायी जा रही है। झांझरा परियोजना की पावर्ड सपोर्ट लॉन्गवाल (Powered Support Longwall) पद्धति से इस वित्त-वर्ष के अंत तक उत्पादन शुरू हो जाने की उम्मीद है जिससे भूमिगत उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि आएगी। इसके अलावा, कुछ खदानों में हाईवाल तकनीक (Highwall Technology) की स्थापना के भी प्रयास कंपनी द्वारा किए जा रहे हैं। आप सबों की कड़ी मेहनत, लगन,कर्तव्य-परायणता एवं कंपनी के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए मैं पूरे यकीन के साथ कह सकता हूँ कि पिछले वर्षों की भाँति वर्तमान एवं आगामी वर्षों में भी हम सभी मापदण्डों में निर्धारित लक्ष्य को पार कर दिखाएँगे और अपने ईसीएल को गरिमा की नयी चोटी पर पहुँचाने में पूरी निष्ठा से अपनी भूमिका का निर्वाह करेंगे।

आप इस तथ्य से भली भाँति परिचित हैं कि उत्पादन-उत्पादकता तथा प्रेषण जैसी प्राथमिक गतिविधियों के साथ-साथ हम कल्याण, सीएसआर (CSR), खेल-कूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी तत्परता बनाये हुए हैं जिससे हमारी कंपनी की छवि और उज्वल एवं प्रभावी सिद्ध हुई है और इसके लिए हमारी कंपनी को समय-समय पर पुरस्कृत भी किया जाता रहा है। पिछले वर्ष राष्ट्रीय खान सुरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान ईसीएल के विभिन्न खदानों को कुल सात (07) पुरस्कार, राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2013-14 के लिए ग क्षेत्र के अंतर्गत इंदिरा गाँधी राजभाषा पुरस्कार (द्वितीय पुरस्कार), गैर-नवरत्न/महारत्न लोक क्षेत्र की कंपनियों के बीच विप्स (WIPS) के माध्यम से कार्यकारी महिलाओं के लिए किये जा रहे प्रशंसनीय कार्यों के लिए प्रथम पुरस्कार तथा अंत:-कंपनी एथलेटिक मीट(Inter-Company Athletic Meet), क्रिकेट टूर्नामेंट (Cricket Tournament)एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कारतथा कॉन्ट्रैक्ट ब्रिज एवं वेटेरन टेबल टेनिस टूर्नामेंट (Contract Bridge & Table Tennis Tournament)में द्वितीय पुरस्कार इसके चंद उदाहरण हैं।

हमारी कंपनी खान-सुरक्षा एवं उत्पाद गुणवत्ता नियंत्रण के साथ-साथ कल्याणकारी एवं सीएसआर (CSR) गतिविधियों में भी विशेष ध्यान दे रही है। कल्याणकारी एवं सीएसआर (CSR) गतिविधियों के अंतर्गत पिछले वित्त-वर्ष के दौरान स्वच्छ विद्यालय योजना से जुड़ते हुए पश्चिम बंगाल के पुरुलिया एवं झारखंड के देवघर तथा साहिबगंज जिलों के कुल 1886 विद्यालयों में 3372 शौचालयों का निर्माण करवाया गया जिससे लगभग ढाई लाख बच्चे लाभान्वित होंगे। इसके साथ-साथ, दिसन हॉस्पिटल एंड हर्ट इंस्टीट्यूट (Disun Hospital and Heart Institute), कोलकाता के सहयोग से ईसीएल के केंद्रीय अस्पताल, कल्ला में डायलिसिस यूनिट (Dialysis Ubit)का शुभारंभ किया गया जहाँ ईसीएल के कर्मियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय लोगों, विशेषकर गरीबी रेखा के नीचे के लोगों को भी कम दरों में स्तरीय चिकित्सा की सुविधा प्राप्त हो रही है। साथ ही, ईसीएल कर्मियों के प्रतिभावान बच्चों को कोल इंडिया लिमिटेड (CIL)छात्रवृत्ति योजना के तहत कुल ₹ 39 लाख की छात्रवृत्ति दी गयी। ईसीएल प्रबंधन ने अपने कर्मियों के लिए प्रत्येक क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श कैंटीन (Canteen)बनाने का कार्य प्रारम्भ किया है। सामाजिक सुरक्षा के तहत सभी कर्मियों को सेवानिवृत्ति वाले दिन ही ग्रेच्यूटी(Gratuity), भविष्य निधि की राशि के भुगतान सहित पेंशन पे ऑर्डर (Pension Pay Order) भी दिया जा रहा है। ईसीएल कमान क्षेत्र में आने वाले विभिन्न विद्यालयों में 1909 सीलिंग पंखे अनुदान में दिये गये।

ईसीएल द्वारा हासिल की जा रही इस अभूतपूर्व सफलता में पूर्ण समर्थन एवं सहयोग के लिए मैं कोयला मंत्रालय,कोल इंडिया लिमिटेड,श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों, पश्चिम बंगाल तथा झारखण्ड राज्य सरकार एवं उनके प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, कंपनी के समस्त श्रमिकों, कर्मचारियों तथा अधिकारियों के साथ-साथ कंपनी के सभी अंशधारकों, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (Print and Electronic)के सभी प्रतिनिधियों तथा शुभचिंतकों के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूँ। आज के इस पावन अवसर पर, कंपनी के प्रत्येक श्रमिक, कर्मचारी एवं अधिकारी से मैं अपील करता हूँ कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अपनी कार्य-कुशलता का परिचय दें एवं खान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उत्पादन करके लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग करें,ताकि हम देश की ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने में अपना योगदान दे सकें और इस प्रकार अपने राष्ट्रीय दायित्व का निर्वाह कर सकें।

जय हिन्द !

शुभकामनाओं के साथ

आपका

15 अगस्त, 2015

(चन्दन कुमार दे)

अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित